

Transk.:

Blatt 25 ↓ : Joh 7,32-38

Beginn der Seite korrekt

|    | ΜΘ  | Stichometrie |
|----|---|--------------|
| 01 | -ΤΟΣ ΤΑΥΤΑ ΠΕΡΙ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΑΠΕΣΤΙΛΑΝ                             | 29           |
| 02 | ΥΠΗΡΕΤΑΣ ΟΙ ΑΡΧΙΕΡΕΙΣ ΚΑΙ ΟΙ ΦΑΡΙ-                              | 28           |
| 03 | ΣΑΙΟΙ ΊΝΑ ΠΙΑΣΩΣΙΝ ΑΥΤΟΝ <sup>7,33</sup> ΕΙΠΕΝ                  | 26           |
| 04 | ΟΥΝ Ο <sup>ΙΣ</sup> ΕΤΙ ΧΡΟΝΟΝ ΜΙΚΡΟΝ ΜΕ-                       | 23           |
| 05 | Θ ΥΜΩΝ ΕΙΜΙ ΚΑΙ ΥΠΑΓΩ ΠΡΟΣ ΤΟΝ                                  | 24           |
| 06 | <sup>E</sup> ΠΜΨΑΝΤΑ ΜΕ <sup>34</sup> ΖΗ·ΤΗΣΕΤΕ <sup>1</sup> ΜΕ | 19           |
| 07 | ΚΑΙ ΟΥΧ ΕΥΡΗΣΕΤΑΙ <sup>2</sup> ΚΑΙ ΟΠΟΥ ΕΙΜΙ                    | 26           |
| 08 | ΕΓΩ ΎΜΕΙΣ ΟΥ ΔΥΝΑΣΘΕ ΕΛΘΕΙΝ>                                    | 23           |
| 09 | <sup>35</sup> ΕΙΠΑΝ ΟΥΝ ΟΙ ΊΟΥΔΑΙΟΙ ΠΡΟΣ ΕΑΥ>-                  | 25           |
| 10 | ΤΟΥΣ ΠΟΥ ΜΕΛΛΕΙ ΟΥΤΟΣ ΠΟΡΕΥΕΣΘΑΙ                                | 28           |
| 11 | ΟΤΙ ΗΜΕΙΣ ΟΥΧ ΕΥΡΗΣΟΜΕΝ ΑΥΤΟΝ                                   | 25           |
| 12 | ΜΗ ΕΙΣ ΤΗΝ ΔΙΑΣΠΟΡΑΝ ΤΩΝ ΕΛΛΗ-                                  | 24           |
| 13 | ΝΩΝ ΜΕΛΛΕΙ ΠΟΡΕΥΕΣΘΑΙ ΚΑΙ ΔΙ-                                   | 24           |
| 14 | ΔΑΣΚΕΙΝ ΤΟΥΣ ΕΛΛΗΝΑΣ· <sup>36</sup> ΤΙΣ ΕΣΤΙ <sup>ΤΙ</sup>      | 25           |
| 15 | Ο ΛΟΓΟΣ ΟΥΤΟΣ ΟΝ ΕΙΠΕΝ ΟΤΙ ΖΗΤΗ-                                | 25           |

<sup>1</sup> Letztes E aus AI korrigiert.

<sup>2</sup> Korrekt: ΕΥΡΗΣΕΤΕ.